# सत्र 2020–21

## प्रश्नपत्र – सम्बन्धित विषय का गहन अध्ययन संस्कृत

1. वेद –

निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन

अग्नि (1:1) इन्द्र (2:12) पुरुष (10:90) हिरण्यगर्भ (10:121) नासदीय (10:129) वाक् (01:125) अथर्ववेद (12:1) ब्राम्हण एवं आरण्यक – सामान्य परिचय एवं विशेषतायें

उपनिषद्– विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन (ईश,कठ,केन वृहदारण्यक एवं तैत्तरीय उपनिषद् से)

वेदांगों का सामान्य परिचय

2. व्याकरण –

महाभाष्य (पस्पशाह्निक) – शब्दकी परिभाषा, शब्द एवं अर्थ सम्बन्ध, व्याकरण के अध्ययन के उद्देश्य, व्याकरण की परिभाषा, साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम, व्याकरण की पद्वति।

लघु सिद्वान्त कौमुदी – तिड्न्त (भू एवं एघ्) तद्वित (मत्वर्थीय) कारक प्रकरण, स्त्री प्रत्यय

भाषा विज्ञान – भाषा की परिभाषा, भाषा का वर्गीकरण (आकृति मूलक एवं परिवारिक मूलक संस्कृत ध्वनियों के विशेष सन्दर्भ में), ध्वनियंत्र । परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम (ग्रिम ग्रासमान तथा वर्नर,) अर्थपरिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, वाक्य का लक्षण एवं भेद, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय, भाषा तथा वाक् में अंतर, भाषा और बोली में अंतर

3. दर्शन–

व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न

– ईश्वर कृष्ण की सांख्यकारिका
– सदानन्द का वेदान्तसार
– पतंजलि का योगसूत्र
– तर्कसंगह दीपिका
– तर्कभाषा, केशवमिश्र

K. Mathur

4. आर्षकाव्य

रामायण– रामायण में आख्यान, रामायणकालीन समाज, रामायण की उपजीव्यता, रामायण का साहित्यिक महत्व

महाभारत – महाभारत में आख्यान, महाभारतकालीन सामाज, परवर्ती ग्रन्थों पर महाभारत का प्रभाव, महाभारत का साहित्यिक महत्व

पुराण– पुराण की परिभाषा, पौराणिक सृष्टिविज्ञान, पुराण एवं लोकिक कलायें, पौराणिक आख्यान, पुराणों का संक्षिप्त परिचय कौटिलीय अर्थशास्त्र (प्रथम विनयाधिकरण)

मनुस्मृति (प्रथम अध्याय)

5. काव्य एवं नाटक

रघुवंश (प्रथम एवं द्वितीय सर्ग)

किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग

नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग

गद्य– दशकुमारचरितम् अष्टम् उच्छ्वास

हर्षचरित (पञ्चमोच्छवास)

कादम्बरी (महाश्वेताबृत्तान्त)

काव्यशास्त्र– काव्यप्रकाश – काव्यलक्षण,

काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्ति, अभिहितान्वयवाद अन्विताभिधानवाद, रस स्वरूप एवं भेद, रस दोष, काव्यगुण

अलंकार– अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा समासोक्ति, अपहनुति, निदर्शना अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति,

ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत

नाटक – कर्णभार, अभिज्ञान शाकुंतलम्, उत्तररामचरितम् मुद्राराक्षस, रत्नावली

नाट्यशास्त्र (भरत) – (प्रथम द्वितीय तथा षष्ठ अध्याय)

दशरूपक – (प्रथम, द्वितीय अध्याय)

K. Mathur